ओल्ड गुड़गांव में मेट्रो से खुलेंगे विकास के द्वार

विकास के नजरिए से अभी बहुत पीछे है ओल्ड गुड़गांव

गुरुग्राम, अजय तोमर, (पंजाब केसरी):गत सोमवार को चंडीगढ़ में हुई महानगर विकास प्राधिकरण की चौथी बैठक में मेट्रो के विस्तार को लेकर डीपीआर को मुख्यमंत्री द्वारा हरी झंडी दे दी गई है। हरियाणा के सीएम द्वारा 5126 करोड़ रुपये की इस महत्वकांक्षी योजना को स्वीकृति मिलने के साथ ही मेट्रो के विस्तार को लेकर गुड़गांव को मेट्रो से जोड़ने के प्रयास सफल हो गए। मेट्रो परियोजना को हरियाणा मास रैपिड ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन द्वारा वर्ष 2023 में चालू किए जाने की संभावना है। मेट्रो रेल लाइन की कुल लंबाई 31.11 किलोमीटर है और इसमें 25 स्टेशन और छ: इंटरचेंज स्टेशन होंगे। वहीं दूसरी तरफ इसी साल हुई कैबिनेट की बैठक में एनसीआरटीसी की रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम के द्वारा एनसीआर में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए, हरियाणा कैबिनेट ने दिल्ली-गुडग़ांव-एसएनबी (शाहजहांपुर-नीमराना-बेहरोर अर्बन कॉम्प्लेक्स) आरआरटीएस कॉरीडोर के डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) को पहले से ही मंजूरी दे दी थी। मेट्रो की कनेक्टिविटी होनें के साथ ही ओल्ड गुड़गांव को रैपिड रेल व भारतीय रेल सहित तीन ट्रेने मिल जाएगी। गुडग़ांव के चारों और मैट्रो होंने के कारण ओल्ड गुड़गांव की तस्वीर बदल जाएगी। इसके साथ ही समग्र विकास को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार सहित रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। तीनो रेल चलने के बाद गुड़गांव में जाम की समस्या खत्म हो जाएगी तथा इसके साथ-साथ प्रदूषण भी निजात मिलेगा। आरआरटीएस की योजना में मुख्य पहलुओं में से एक आरआरटीएस स्टेशनों पर मल्टी-मॉडल-इंटीग्रेशन है। गुडग़ांव, उद्योग विहार स्टेशन से गुडग़ांव रैपिड मेट्रो और गुड़गांव रेलवे स्टेशन से प्रस्तावित मेट्रो तक कनेक्टिविटी बढ़ाने की प्रस्तावना दी गई है।

ओल्ड गुड़गांव के निवासियों को परिवहन के मामले में भारतीय रेल सुविधा के अलावा अब तक कोई खास सुविधा सरकार की ओर से नहीं मिली है, जिसकी वजह से ओल्ड गुड़गांव के निवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। लोग ओल्ड गुड़गांव से रेलवे स्टेशन, दिल्ली, और न्यू गुड़गांव सिर्फ सरकारी एवं निजी बस, कैब और ऑटो इत्यादि के सहारे ही यात्रा करते है। ओल्ड गुड़गांव विकास के नजरिए से अभी बहुत पीछे है। और बहुत सी ऐसी समस्याएं है। जिससे इस क्षेत्र में विकास की रफ्तार को धीमा किया हुआ है।

जीएमडीए की चंडीगढ़ में हुई इस मीटिंग में सीएम ने ओल्ड गुड़गांव में प्रस्तावित मेट्रो की डीपीआर को हरी झंडी देकर ओल्ड गुड़गांव के विकास के द्वार खोल दिए हैं। गुड़गांव मेट्रो रूट में कुल 25 स्टेशन प्रस्तावित है। वहीं दूसरी तरफ एनसीआरआरटीसी की रीजनल रेपिड ट्रांजिट सिस्टम(आरआरटीएस) से दिल्ली-गुड़गांव-अलवर तक लोगो को सहज सुविधा मिलेगी। आरआरटीएस का प्राथमिकता के तौर पर दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरीडोर का पहले निर्माण किया जाएगा, जिसका 8 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिलान्यास किया था। उसके बाद दिल्ली-गुड़गांव-अलवर आरआरटीएस कॉरीडोर का निर्माण पहले चरण में दिल्ली-गुड़गांव-एसएनबी (शाहजहांपुर -नीमराना-बेहरोर अर्बन कॉम्प्लेक्स) तक किया जाएगा। 106 किलोमीटर के इस कॉरीडोर के लिए कैबिनेट ने 6436 करोड़ रुपए के लिए भी मंजूरी दी है। आरआरटीएस स्मार्ट लाइन हरियाणा के औधोगिक क्षेत्रों से गुजरेगी और एनसीआर के समग्र उत्पादकता मे वृद्धि, आरआरटीएस नेटवर्क को दिल्ली के हवाई अड्डे से जोड़ेगी। गुड़गांव के विधायक उमेश अग्रवाल ने कहा कि रैपिड रेल व मेट्रो की ओल्ड गुड़गांव में कनेक्टिविटी होने से गुड़गांव की तस्वीर बदल जाएगी। गुड़गांव में लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ जाएगें, जिससे ओल्ड गुड़गांव का विकास होगा।

इन मैट्रो स्टेशनों का प्रस्ताव किया गया है

ओल्ड गुडगांव की कनेक्टिविटी करने के लिए इस मार्ग पर जिन मेट्रो स्टेशनों का प्रस्ताव किया गया है, उनमें हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर- 45, साइबर पार्क, सेक्टर- 46, सेक्टर- 47, सेक्टर- 48, टेक्नोलॉजी पार्क, उद्योग विहार फेज- 6, सेक्टर- 10, सेक्टर- 37, बसई, सेक्टर- 9, सेक्टर- 7, सेक्टर- 4, सेक्टर- 5, अशोक विहार, सेक्टर- 3, कृष्णा चौक, पालम विहार एक्स्टेंशन, पालम विहार, सेक्टर- 23ए, सेक्टर- 22, उद्योग विहार फेज-4, उद्योग विहार फेज -5 तथा साइबर सिटी शामिल है।

गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर आने-जाने के लिए नहीं होगी परेशानी

गुड़गांव भारतीय रेलवे स्टेशन के अधिक्षक शंकरलाल मीना ने कहा कि रैपिड रेल व मेट्रो की कनेक्टिविटी हो जाने के बाद गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर आने- जाने के लिए लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। जिससे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा। उन्होनें कहा कि जितने ज्यादा यात्री आएंगे उतना ही ज्यादा भारतीय रेल को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि गुडग़ांव पहला शहर होगा जिसमें रैपिड़ मेट्रो, रैपिड़ रेल, मेट्रो व भारतीय रेल होगी। अल्फाकॉर्प के सीईओ आशीष सरीन ने कहा कि दिल्ली-गुडग़ांव-एसएनबी आरआरटीएस कॉरीडोर ओल्ड गुडग़ांव के उद्योग विहार, सेक्टर 22 और सेक्टर 17 से होकर गुजरेगी। जिससे उद्योग विहार सहित आईजीआई हवाई अड्डा, दिल्ली, गाजियाबाद, गुडग़ांव रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, न्यू गुडग़ांव तथा मानेसर सहित लाखों लोगो को लाखों को लाभ मिलेगा।